वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 56 | शनिवार 24 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गहलोत बोले-अंधड़ की झूठी सूचना से एक घंटा लेट हुए: कहा...

सर्वे करवा रहे हैं कि क्या बीसलपुर के पानी से भरा जा सकता है रामगढ़ बांध

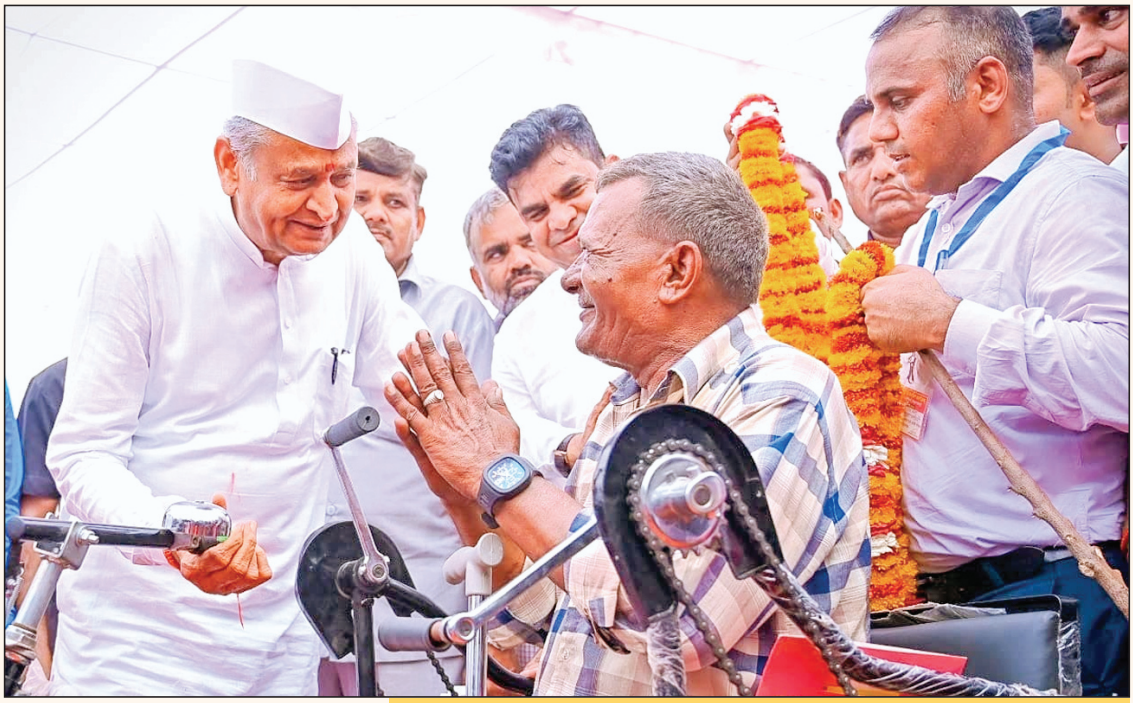

जयपुर. कासं

गलत सूचना की वजह से सीएम और कांग्रेस नेताओं को एक घंटे इंतजार करना पड़ा। खुद सीएम अशोक गहलोत ने माना कि झूठी सूचना की वतह से जमवारामगढ़ की सभा में एक घंटे देरी से आए। गहलोत ने कहा- हमें आने एक घंटे की देरी हो गई। हमें कहा गया कि वहां पर अंधड़ आ गया, टेंट गिर गया है, झूठी खबर दे दी। हमने वहां एक घंटा इंतजार किया, बैठे बैठे कोई काम भी नहीं था। हम यहां आए तो मालूम पड़ा कि यहां तो लोग गर्मी मर रहे हैं, उमस से बहनें परेशान हो रही हैं। इसकी तकलीफ मुझे है। बिना मतलब 1 घंटे खराब हो गया हम लेट आए। गहलोत भरतपुर के बाद जयपुर के जमवारामगढ़ में महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण करने के बाद सभा में बोल रहे थे।

निर्दलीय विधायक साथ नहीं देते तो आज आपके सामने सीएम के रूप में नहीं होता

एक बार फिर हॉर्स ट्रेडिंग मामला को उठाते हुए गहलोत ने कहा- पहले की तरह हमें आप लोग चुनाव जिताओ। पहले हम जयपुर जिले में 19 में से 10 सीट जीते थे, भाजपा 6 सीट ओर 3 सीट हमारे निर्दलीय आलोक बेनीवाल, बाबूलाल नागर और लक्ष्मण मीणा ने जीती। इन तीनों समेत 11 निर्दलीयों ने हमारा साथ दिया तो हमारा काम चल गया, वरना मैं आज आपके सामने मुख्यमंत्री के रूप में नहीं खड़ा होता। समझ जाइए इतना खतरनाक खेल चल रहा है जिसके अंदर चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम चल रहा है। कर्नाटक ,महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में सरकार गिर गई लेकिन गोपाल मीणा जैसे कांग्रेस के विधायक और निर्दलीय लक्ष्मण मीणा ,बाबूलाल नागर और आलोक बेनीवाल मेरे साथ खड़े रहे ,ऐसे 11 लोग थे यह सब खड़े रहे इसलिए मेरी सरकार बच गई और मैं आपके सामने इतनी स्कीम ला पाया और काम कर पा रहा हूं। गहलोत ने कहा- सरकार भले ही कितना भी अच्छा काम कर ले, जनता आशीर्वाद देगी तो ही हमारी सरकार बनेगी, क्योंकि माई बाप जनता ही है। गहलोत ने कहा- इस इलाके में पानी को लेकर कितनी तकलीफ है यह हम सब जानते हैं। अगर केंद्र सरकार इआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करती तो मेरा दावा है ईसरदा की जो डीपीआर हम बना रहे हैं, उसे हम रामगढ़ को भी भर देते।

शुक्रवार देर रात लापरवाही बरतने वाले जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया। इनमें RAS अधिकारी अनीता खटीक और स्टोर प्रकोष्ठ के उपायुक्त मोहनलाल शामिल है। दोनों के पास मुख्यमंत्री की सभा में मूलभूत तैयारी पूरी करने की जिम्मेदारी थी। निर्धारित वक्त तक सभा स्थल पर टेंट नहीं लग पाया था।

फिल्म आदिपुरुष की बढ़ सकती है मुश्किलें

जयपुर. कासं

अपनी रिलीज के साथ ही विवादों में फंसी ओम राउत की आदिपुरूष की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राजस्थान हाई कोर्ट में फिल्म को बैन करने व इसका सर्टिफिकेट रद्द करने की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की गई है। हाथोज धाम के बालमुकुंदाचार्य की ओर से पीआईएल पेश की गई हैं। हाई कोर्ट में अगले सप्ताह संभवत इस पर सुनवाई भी हो सकती हैं। बालमुकुंदाचार्य की ओर से पीआईएल पेश करने वाले अधिवक्ता अमितोष पारीक का कहना है कि आदिपुरुष केवल रामायण से प्रभावित फिल्म नहीं हैं। बल्कि यह पूरी तरह से रामायण पर आधारित फिल्म हैं। ऐसे में इस फिल्म में दिखाए गए कई सीन ऐसे है जिनका रामायण में कहीं भी उल्लेख नहीं हैं। जिसकी वजह से हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि यहां फिल्म निर्माताओं ने फ्रीडम ऑफ स्पीच एंड एक्सप्रेशन का वॉयलेशन किया हैं। ऐसे में हमने हाई कोर्ट में पीआईएल फाइल करके फिल्म को बैन करने व इसका सर्टिफिकेशन रद्द करने की मांग की हैं। याचिका में कहा गया है कि इस फिल्म को नेपाल में भी बैन किया जा चुका है।

जयपुर में डिस्प्ले होगी 10 करोड़ की मूर्ति

जयपुर. कासं। जयपुर में शहर में देश के नामचीन मूर्तिकार हिम्मत शाह की कलाकृतियां लोगों के बीच नजर आएंगी। इसमें ऐसी कलाकृतियां भी शामिल है, जो 10 करोड़ रुपए तक की कीमत की है। इस ऐग्जीबिशन में शाह की बनाई ड्रॉइंग भी डिस्प्ले होगी, जो उन्होंने कोरोना काल में घर रहते हुए बनाई थी। ये एक ड्रॉइंग 10 लाख रुपए कीमत की है। यह एग्जीबशन जयपुर के रानी सती नगर स्थित 'जयपुर सेंटर ऑफ आर्ट एंड कल्चर (जेसीसीए)' में दो जुलाई से शुरू होगी। यह आर्ट शो 'अंडर दी मास्क' चार महीने 31 अक्टूबर तक आयोजित होगा। इसमें हिम्मत शाह के कलात्मक सफर को जाहिर करने वाली बेशकीमती कलाकृतियां पेश की जाएंगी।

राष्ट्रसंत ललितप्रभ,चन्द्रप्रभ एवं शान्तिप्रिय सागर महाराज का भव्य चातुर्मास प्रवेश 29 को

शोभायात्रा में 108 फीट का जैन ध्वज होगा आकर्षण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत ललितप्रभ, चंद्रप्रभ एवं मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज का उदयपुर में शोभायात्रा के साथ 29 जून को नगर निगम के टाउन हॉल प्रांगण में बने विशाल पांडाल में भव्य मंगल प्रवेश होगा। चातुर्मास संयोजक हंसराज चौधरी ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि इस बार लोक कल्याणकारी चातुर्मास में सर्वधर्म समाज को लाभान्वित करने वाले मंगल प्रवचन होंगे। चौधरी ने बताया कि इस बार अधिक मास होने के कारण चातुर्मास 5 माह का होगा। जिसमें 21अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8.45 से 10.30 बजे तक गुरुदेव के प्रवचन होंगे। इसके बाद शहर की हर कॉलोनी में हर संस्था में हर स्कूल में जहां जहां से गुरुदेव को आमंत्रण मिलेगा वहां जाकर अपने प्रवचन देंगे। श्री जैन श्वेताम्बर वासुपूज्य जी महाराज का मन्दिर सचिव तथा चातुर्मास समिति अध्यक्ष राज लोढ़ा ने बताया कि प्रवचन स्थल पर तीन चिकित्सकों डॉ. मुकेश बडजात्या, डॉ. जौहरी और डॉ. अरूण बापना की टीम सहित एम्बुलैंस एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौजूद रहेगी। सह संयोजक अनिल नाहर ने बताया कि गुरुदेव के मंगल प्रवेश से पूर्व दादाबाड़ी से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो सूरजपोल चौराहा, झीणीरेत चौक, मार्शल चौराहा, धानमंडी, दिल्ली गेट, मध्य बाबू बाजार होते टाउन हॉल प्रांगण में पहुंचेगी। शोभायात्रा में 24 तीर्थंकरों की झांकियां, तीन बग्घियां, स्कूलों के बच्चे तख्तियां लेकर चलेंगे। शोभायात्रा में बोहरा समाज सहित जैन समाज के कुल 5 बैण्ड शिरकत करेंगे। इस दौरान 108 फीट लम्बा जैन ध्वज और पारंपरिक मेवाड़ी नृत्य खास आकर्षण रहेंगे। चातुर्मास में कोई वीआईपी कल्चर नहीं होगा। प्रवचन स्थल पर 20 हजार वर्गफीट में विशेष पांडाल बनाया जाएगा जिसमें 5000 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेंगी। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक वीरेंद्र सिरोया ने बताया कि शोभायात्रा को लेकर शहर में विभिन्न स्थानों पर बैनर, होर्डिंग लगाने का काम शुरू हो चुका है। महिला मोर्चा की पिंकी मंडावत ने बताया कि गुरुदेव के मंगल प्रवेश की शोभायात्रा में 2000 से अधिक महिलाएं लाल चुनरी पहनकर सिर पर मंगल कलश धारण किए साथ चलेंगी। गजेंद्र भंसाली ने बताया कि इस चातुर्मास को लेकर पूरे शहर के सर्व समाज को आमंत्रण भेजा गया है। सर्वधर्म मैत्री संघ अध्यक्ष संदीप सिंघटवाडिया ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये आवास की पुख्ता व्यवस्था कर दी गई है। साथ ही प्रतिदिन दादाबाड़ी से टाउनहॉल आने जाने के लिये ऑटो व्यवस्था निर्धारित रहेंगी। बता दें, भोजन व्यवस्था चातुर्मास समिति के गोवर्धनसिंह दोशी, पाण्डाल एवम मैदान व्यवस्था गजेन्द्रसिंह जोधावत, आवास व्यवस्था हरिसिंह लोढ़ा, चिकित्सा डॉ.सुरेन्द्र कुमार जौहरी, परिवहन इन्द्रसिंह सुराणा, प्रचार प्रसार विरेन्द्र सिरोया, नरपतसिंह सिंघवी, दिनेश गोठवाल, संजय खाब्या, उत्सव एवं शिविर भंवरलाल दोशी, विहार एवं वैयावच्छ हेमन्त लोढा, आमन्त्रण निमन्त्रण व्यवस्था गजेन्द्र भंसाली के जिम्मे रहेंगी।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

जानें नसों में दर्द होने का क्या है मतलब

किसी खास नर्व में होता है नर्व पेन या न्यूरॉल्जिया।नर्व पेन एक जटिल और क्रॉनिक तकलीफदेह स्थिति।जलन की अनुभूति, संवेदनहीनता और पूरे नर्व में दर्द।गहरी टेंडन रिफ्लैक्स में कमी या मांसपेशियों का कम होना। नर्व पेन या न्यूरॉल्जिया किसी खास नर्व में होता है।न्यूरॉल्जिया में जलन, संवेदनहीनता या एक से अधिक नर्व में दर्द फैलने की समस्या हो सकती है।न्यूरॉल्जिया से कोई भी नर्व प्रभावित हो सकती है। नसों में दर्द के सही मतलब और इसके उपचार के बारे में जानने के लिए यह लेख पढ़ें।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

नर्व के दर्द के कारण

ड्रग्स, रसायनों के कारण परेशानी, क्रॉनिक रिनल इनसफिशिएंशी, मधुमेह, संक्रमण, जैसे-शिंगल्स, सिफलिस और लाइम डिजीज, पॉरफाइरिया, नजदीकी अंगों (ट्यूमर या रक्त नलिकाएं) से नर्व पर दबाव पड़ना, नर्व में सूजन या तकलीफ, नर्व के लिए खतरे या गंभीर समस्याएं(इसमें शल्यक्रिया शामिल है), अधिकतर मामलों में कारण का पता नहीं चलता। नर्व पेन एक जटिल और क्रॉनिक तकलीफदेह स्थिति है, जिसमें वास्तविक समस्या समाप्त हो जाने के बाद भी दर्द स्थायी रूप से बना रहता है। नर्व पेन में दर्द शुरू होने और रोग की पहचान होने में कुछ दिन से लेकर कुछ महीने लग सकते हैं। नर्व को थोड़ा सा भी नुकसान पहुंचने पर या पुराने चोट ठीक हो जाने पर भी दर्द शुरू हो सकता है।

लक्षण

जलन की अनुभूति, संवेदनहीनता और पूरे नर्व में दर्दशरीर के प्रभावित भाग की गति और मांसपेशियों की कमजोरी, दर्द या नर्व की क्षति के कारण अवरुद्ध हो जाती है। दर्द अचानक उठता है और बहुत तेज दर्द होना, जैसे-कोई नुकीली चीज चुभ रही हो या जलन की अनुभूति होती है। यह दर्द लगातार रह सकता है या रुक-रुक कर होता है।छूने या दबाने से दर्द महसूस होता है और चलना फिरना भी कष्टदायक हो जाता है। प्रभावित नर्व के पथ में दर्द रहता है या यह दर्द बार-बार होता है।

जांच और रोग निदान

किसी एक जांच से नर्व पेन की पहचान नहीं की जा सकती। प्रारंभ में डॉक्टर आपके लक्षणों और दर्द के विवरण के साथ शारीरिक जांच से रोग के पहचान का प्रयास करता है। आपके शारीरिक जांच से पता चल सकता है- त्वचा में असामान्य अनुभूति। गहरी टेंडन रिफ्लैक्स में कमी या मांसपेशियों का कम होना।प्रभावित क्षेत्र में पसीना कम निकलना(पसीना निकलना नर्व के द्वारा नियंत्रित होता है)।नर्व के पास स्पर्श से दर्द या सूजन महसूस होना।ट्रिगर प्वाइंट या ऐसे क्षेत्र जहां हल्के से छू देने से भी दर्द शुरू हो जाए।दांतों की जांच, जिसमें फेशियल पेन को जन्म देनेवाली दांतों की समस्याएं शामिल नहीं हैं (जैसे-दांतों में ऐबसेस या फोड़े) प्रभावित क्षेत्र के लाल हो जाने या सूजन आने जैसे-लक्षण, जिससे संक्रमण, हड्डी टूटने या रयूमेटॉइड अथार्राइटिस की स्थिति की पहचान में सहायता मिले।

उपचार

नर्व पेन का इलाज सामान्यतया कठिन है, और प्रायः दर्द से राहत देने वाले इलाजों से इस दर्द में कोई अंतर नहीं आता। आपको कई प्रकार के चिकित्सा पद्धतियों को आजमाने की आवश्यकता होती है, ताकि पता चल सके कि कौन सी प्रणाली आपके लिए लाभकारी है। कभी-कभी स्वयं या समय के साथ हालत में खुद-ब-खुद सुधार आ जाता है। चूंकि नर्व पेन का इलाज आसान नहीं है, इसके उपचार के मुख्य लक्ष्य हैं- दर्द की तीव्रता कम करना ,स्थायी दर्द से जूझने में आपकी सहायता करना,आपके दैनिक जीवन पर दर्द के प्रभाव कम करनाअगर किसी आंतरिक बीमारी(जैसे-डायबिटीज, ट्यूमर) के कारण दर्द हो रहा है तो इसका पता चलने पर अगर इस बीमारी का इलाज संभव है तो इलाज करना।डायबिटीज के रोगियों में शुगर पर कड़े नियंत्रण से न्यूरॉल्जिया में लाभ होता है।कभी-कभी ट्यूमर या किसी अन्य वजह से नर्व पर दबाव पड़ने की वजह से उसमें दर्द होता है, ऐसी स्थिति में जिस कारण से दबाव पड़ रहा है उसे सर्जरी से हटाने की जरूरत होती है।

आचार्य श्री का छप्पनवां दीक्षा देश-भर में भक्ति भाव से मनाया

आचार्य श्री के अनंत उपकार है भारतीय वसुंधरा पर छप्पन दीपों से आरती उतार कर महा पूजा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का छप्पन वां दीक्षा दिवस देश भर में भक्ति भाव से श्रद्धापूर्वक मनाया इस दौरान आचार्य छत्तीसी विधान महा पूजन के साथ ही साथ छप्पन दीपों से आरती उतारी गई। सुभाष गंज मन्दिर के साथ आज प्रातः काल की बेला में भगवान के कलशाभिषेक के बाद जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के साथ की गई। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि पूरे अंचल के साथ ही देशभर में आचार्य श्री का छप्पन वां दीक्षा दिवस मनाया गया वहीं सीधे प्रसारण में धर्म सभा को सम्बोधित किया ।

दीक्षा तिथि को हमेशा याद रखना चाहिए:आचार्य श्री

डोंगरगढ़ में विराजमान संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी

महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्मृति तो बनी रहतीं हैं, स्मृति अनुभव नहीं हो सकती है। वर्तमान का अनुभव कल स्मृति बन जाती है, वर्तमान के अनुभव से भविष्य को सुधारा जा सकता है। आचार्य श्री कुन्द कुन्द स्वामी ने कहा कि दीक्षा तिथि को याद करने को कहा है, दीक्षा को याद करने को क्या कहा, दीक्षा क्यों ली, दीक्षा लेने के वापिस नहीं होते दीक्षा ली जाती है पद दिए जाते हैं अनुभव वर्तमान का होता है अतीत का अनुभव नहीं होता है देखने वाले हम है दीक्षा ली क्यों। नहीं तो एक घर में से आकर दूसरे घर में बैठने के समान है गुरु ने मुझे गुरु समान कर दिया गुरु ने मुझे गुरु समान बना लघु वन पद का निर्वाहन कर रहे हैं, पद कब तक जब तक चल रहा। आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने स्वयं घलू बनकर गुरु बना दिया ट्रेन चलती है एक छोर पर इंजन दूसरे छोर पर गार्ड रहता है गार्ड दो झंडी लिए रहता है हरि झंडी दिखाने पर टेन चल देती है ऐसे ही हमारी डोर गुरु देव से जुड़ी है उनका आशीर्वाद से सब कुछ चल रहा है लघु पन में रहकर भूलों नहींस्मृति को बार-बार लाने से हमें उद्देश्य याद रहता है।

महान आत्माओं से कुछ कहना नहीं पड़ता : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि महान आत्माओं से कुछ कहना नहीं पड़ता उनका चरणों में नतमस्तक होते ही आशीर्वाद मिल जाता है आज के दिन ही आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने राजस्थान के अजमेर शहर में अपने कर कमलों से आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को जैनेश्वरी दीक्षा दी थी उन्होंने कहाकि महान आत्माओं से कुछ कहना नहीं पड़ता उनके चरणों में नतमस्तक होते ही आशीर्वाद मिल जाता है।

गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी म. सा.(माताजी म.सा.), परम पूज्या मरुधरा शिरोमणि सद्गुरुवर्या महासती डॉ.श्री राजमती जी म. सा. आदि ठाणा 7 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश 26 जून को मानसरोवर में

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्या महाश्रमणी गुरुमाता महासती श्री पुष्पवती जी म. सा.(माताजी म.सा.), परम पूज्या मरुधरा शिरोमणि सद्गुरुवर्या महासती डॉ.श्री राजमती जी म. सा. आदि ठाणा 7 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश 26 जून को पोरवाल भवन (धनवंतरी हास्पीटल के सामने, न्यू सांगानेर रोड से BRTS लाईन मे होते हुये रजत पथ, मध्यम मार्ग होते हुये महावीर भवन किरण पथ मानसरोवर में लगभग 10:15 बजे प्रवेश होगा। श्रावक-श्राविकाओ, युवक - युवतियो से अनुरोध है की अधिक से अधिक संख्या मे प्रातः लगभग 9:15 बजे पोरवाल भवन पधार कर नवकार महामंत्र जाप मे सम्मिलित होवे। तत्पश्चात लगभग 9:40 बजे पोरवाल भवन से महासती मंडल महावीर भवन मे मंगल प्रवेश हेतु जन समूह के जयकारो के साथ प्रस्थान करेगें ।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, मानसरोवर, जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन ''राजा'' एवम मंत्री प्रकाश चंद लोढ़ा ने बताया कि इस अवसर पर श्रावक बन्धु सफेद पैंट-शर्ट/कुर्ता-पजामा तथा श्राविकाऐं लाल चुनरी पहन कर उपस्थित होंगे।

वेद ज्ञान

सकारात्मक दृष्टि

महापुरुषों के इस कथन में शतप्रतिशत सच्चाई है कि श्रीराम का नाम संकट से मुक्ति दिलाता है। जो इस कथन को सकरात्मक दृष्टि से लेता है वह तो इस कथन पर मुहर लगाता है, लेकिन नकारात्मक जीवन जीने वाले इसका उपहास उड़ाते हैं। सकारात्मक ढंग से इसको लेने वाले राम नाम जपने के पहले राम के गुणों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हैं। राम के आदर्शों को अपनाने वाले सदाचार, सत्यता और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करते हैं और उन्हें सफलता मिलती है। ऐसे लोग गलत कार्यों के बल पर धन, पद, वैभव पाने की कोशिश में नहीं पड़ते। वे यह जानते हैं कि जो काम उन्हें खराब लगता है, वह दूसरों को भी खराब लगेगा। यानी राम सिर्फ नाम नहीं, बल्कि आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जिसे यदि कोई भी व्यक्ति अपने मन-मस्तिष्क में लोड (अपना लेना) कर लेता है तो जिंदगी के स्क्रीन (दिनचर्या) पर तदनुसार प्रिंट आउट (परिणाम) दिखाई पड़ेगा। जब लंका पर चढ़ाई के लिए भगवान राम की सेना पुल बनाने लगी और नल-नील के हाथ राम नाम अंकित पत्थर तैरने लगे तो लंका की सेना में खलबली मच गई। अपनी सेना का मनोबल गिरने न पाए इसलिए रावण ने सेनाध्यक्ष से कहा था, इतनी छोटी सी बात से आप डर गए। यह तो बचपन में खेल-खेल में अपने नाम का पत्थर डालता था तो वह भी तैरता था। यकीन न हो तो चलो मैं ऐसा करता हूं। उसने रावण नाम अंकित पत्थर डाला तो वह भी तैरने लगा। जब यह जानकारी मंदोदरी को हुई तो वह पूछ बैठी-स्वामी, यह कैसे हुआ? रावण ने जवाब दिया-मंदोदरी, श्रीराम की ताकत से ऐसा हुआ। रावण को मालूम था कि डूबने से बचना है तो राम का नाम ही एक सहारा है। आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से राम सिर्फ नाम नहीं, बल्कि रचनात्मक जीवनशैली एक तरीका है। यही स्थिति बाली और सुग्रीव युद्ध में भी देखी गई। प्रतिपक्षी की आधी ताकत छीन लेने की क्षमता के कारण जब सुग्रीव पराजित होकर श्रीराम के पास लौटे तब पेड़ की आड़ में खड़े श्रीराम ने सुग्रीव के गले में माला डाल दिया जो एक ऐसा प्रभावी यंत्र था कि बाली पराजित हुआ। इसलिए जिंदगी में सुख, शांति, समृद्धि के लिए राम जपने के साथ राम के चरित्र का जहां तक संभव हो सके अनुसरण करना चाहिए।

संपादकीय

पीएम मोदी का अमेरिकी दौरा और आने वाला कल...

भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। न सिर्फ यह ऐतिहासिक पल है वरन यह दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के साथ नई दिशा भी देगा। प्रधानमंत्री के दौरे को कूटनीतिक लिहाज से महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका में खासा उत्साह है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के करीबी सहयोगियों के बयानों से जाहिर है कि तीन दिनों का यह दौरा रक्षा और औद्योगिक सहयोग की दिशा में एक नया मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस दौरे के इसलिए भी खास मायने हैं कि इसका पूरे विश्व, खास तौर पर हमारे पड़ोसी मुल्क चीन के लिए अहम संदेश है। पिछले कुछ अरसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीन का दबदबा बढ़ा है। वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लगातार अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है। वह भारत के साथ सीमा विवाद में भी उलझा है। दूसरी ओर, अमेरिका को पता है कि चीन से उसकी अदावत में भारत की कितनी

अहमियत है। ऐसे में चीन के वर्चस्व पर लगाम की कवायद के लिहाज से भी इस दौरे को खास माना जा रहा है। भारत इस समय पूरे विश्व में अपने जनबल को लेकर चर्चा में है। हम एक युवा देश हैं। यह देश विश्व के सबसे ताकतवर देश के साथ बराबरी में बैठ कर जब बात करेगा तो कूटनीतिक स्तर पर खास मायने सामने आएंगे। यह तय है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से चीन पर कच्चे माल और दूसरे श्रमबल के लिए निर्भरता खत्म होगी। इस तरह से रणनीतिक तौर पर यह दौरा भारत और चीन के संबंधों के लिहाज से भी संवेदनशील साबित होगा और इस क्षेत्र में हमारी चिंता और मान्यताओं को लेकर नई तस्वीर गढ़ेगा। यह दौरा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि यह वैश्विक स्तर पर मूल्यवृद्धि, युक्ति, समझ, चिंताओं, जिनमें आतंकी चुनौतियां भी हैं झ को लेकर अहम भूमिका अदा करेगा। यह सच है कि इस दौरे का मूल लक्ष्य रक्षा और औद्योगिक क्षेत्र में आपसी तालमेल को मजबूत करना है। आपसी रिश्तों का जो गठबंधन है, वह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद समेत सब क्षेत्रों को संदेश दे रहा है। यह सर्वमान्य है कि अगर दोनों देश रक्षा के क्षेत्र में किसी अहम समझौते पर पहुंचते हैं, तो उससे बड़े बदलाव की शुरूआत होगी। खास कर लड़ाकू विमानों के लिए जीई 414 जेट इंजन निर्माण को लेकर भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। रणनीतिक स्तर पर तकनीकी साझेदारी के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में जो सहमति बनी तो पर्यावरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण असर दिखेगा। खास बात यह है कि अमेरिका में पचास लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं जो दूसरी सबसे बड़ी अप्रवासी आबादी है। मोदी जब भी विदेश जाते हैं, वहां के भारतीय समुदाय से घुलमिल जाते हैं। भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए भारत की एकता का जो संदेश वे देते हैं, वह मनोबल बढ़ाने वाला होता है। मोदी के लिए जब भारतीय अप्रवासियों के साथ अमेरिकी भी खड़े होते हैं तो उसका संदेश दूर तक जाता है। ऐसे में देश के लिए यह महत्त्वपूर्ण ही नहीं गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसी जानी-मानी शक्तियों में शुमार हैं, जो अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दूसरी बार संबोधित करेंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिंसा बनाम लोकतंत्र

अब यह तय हो गया है कि पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को केंद्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार करते हुए जो टिप्पणी की है, उसपर राजनीतिक दलों के साथ ही चुनाव कराने वाले नियामक तंत्र को भी गंभीरता से सोचना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट कहा कि चुनाव कराना 'हिंसा का लाइसेंस' प्राप्त करना नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव एक अहम प्रक्रिया है। अगर चुनाव को धनबल, बाहुबल या अन्य किसी भी तरीके से प्रभावित करने की कोशिश होती है तो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। पंचायत चुनाव की घोषणा के बाद से ही बंगाल में राजनीतिक हिंसा जोर पकड़ने लगी है। नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान हिंसा की खबरें आ रही हैं। वर्ष 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव में केंद्रीय बलों की तैनाती नहीं हुई थी और एक तिहाई से ज्यादा सीटों पर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए थे। अधिकांश सीटों पर विपक्षी दल अपने उम्मीदवार ही नहीं दे पाए थे। इस बार हाल कुछ बेहतर है। विपक्षी दलों को 341 ब्लाक में से सिर्फ लगभग 50 में परेशानी हुई है। हिंसा के ताजा दौर के घटनाक्रम गौर करने लायक हैं। 15 जून को कलकत्ता हाई कोर्ट ने पंचायत चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के निर्देश दिए। बंगाल के राज्य चुनाव आयुक्त ने सरकार के आदेश का इंतजार करना बेहतर समझा। फिर राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग- दोनों ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। किसी फैसले से सहमत नहीं होने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है, लेकिन क्या इससे चुनाव आयोग के दायित्व बोध का प्रमाण मिल रहा है? क्या नागरिक इस बात के लिए निश्चिंत हो पा रहे हैं कि चुनाव आयोग की निगरानी में वे सुव्यवस्थित तरीके से मतदान कर पाएंगे। उचित यह होता कि राज्य चुनाव आयोग संवेदनशील इलाकों की सूची तैयार करता और हिंसा की घटनाओं पर नजर रखता। राजनीतिक पकड़ के लिए सभी दल हर हथकंडे अख्तियार करना चाहते हैं, क्या इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था के उद्देश्य की पूर्ति होती है? बंगाल एक ऐसा राज्य है, जहां प्रत्येक चुनाव में बड़े पैमाने पर हिंसा होती है। वहां पंचायत चुनावों को लेकर शुरू हुई हिंसा जिस तरह थमने का नाम नहीं ले रही है, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि राज्य सरकार या तो इस हिंसा को रोकने में समर्थ नहीं या फिर वह इसके लिए इच्छुक ही नहीं। इसका संकेत नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही हिंसा और हत्या के सिलसिले पर मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के बयानों से मिलता है। वे या तो हिंसा से इनकार कर रहे हैं या फिर उसके लिए विपक्षी दलों पर दोष मढ़ रहे हैं। ऐसा संवेदनहीन रवैया उपद्रवियों का दुस्साहस बढ़ाने वाला है। ऐसे रवैए का परिचय तब दिया जा रहा है, जब अभी तक कम से कम आठ लोगों की चुनावी हिंसा में जान जा चुकी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए मनाया योग दिवस

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगम्बर जैन महिला महा समिति इंदोर पुर्वी संभाग की 190 महिला सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। योग दिवस पर सभी महिलाओं को योग सिखाने का कार्य श्रीमती काजल जैन ने किया। इस अवसर पर समारोह की विशिष्ट अतिथि श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, श्रीमती कुसुम पांड्या, श्रीमती मीना झांझरी किरण कासलीवाल, शिलू पाटनी, ज्योति सेठी मौजुद थी, योग के पश्चात सभी महिलाओं ने स्विमिंग पूल में जुंबा डांस किया। इस गरिमामय समारोह में इंदोर की पुर्वी संभाग की सभी ईकाई के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर पुर्वी संभाग की अध्यक्षा स्मिता गंगवाल ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों और सदस्यों का स्वागत किया। पुर्व अध्यक्षा श्रीमती कल्पना जैन ने सभी का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 56 वॉ दीक्षा समारोह मनाया गया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

प्रातः श्री दिगंबर जैन दोनों मंदिरों में जैन धर्म के सबसे बड़े संत शिरोमणि गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का 56 वॉ मुनि दीक्षा समारोह मनाया गया। जिसमें प्रातः देवाधिदेव 1008 पारसनाथ भगवान का महमस्तिकाभिषेक के साथ श्री दिगंबर जैन विद्यासागर पाठशाला द्वारा आचार्य श्री के फोटो के समक्ष मंगलदीप प्रज्वलित किया गया पाठशाला के बच्चों के द्वारा एवं शिक्षिकाओं के द्वारा भक्ति भाव के साथ गुरुदेव का पूजा किया गया। श्रद्धालु भक्तजन भक्ति भाव से नाचते गाते हुए आचार्य श्री के चरणो में अपनी आस्था और भक्ति प्रदर्शित कर रहे थे इसके पश्चात सभी ने अपने उद्गार व्यक्त किए इसमें बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी को प्रथम दीक्षा उनके गुरु आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज के द्वारा राजस्थान में दिया गया जो आज पूरे भारत में विहार कर जैन धर्म का डंका बजा रहे हैं गुरुदेव ने लगभग 400 पिछी को दीक्षा देकर ओर सेकड़ो दीदी ओर भैया जी को त्याग दिलाकर धर्म मार्ग पर लगाया। आचार्य श्री आजीवन मीठा ,दही, नमक, ड्राई फ्रूट्स, का त्याग कर तपस्या में रत है गुरुदेव की एक झलक पाने के लिए लोग हजारों किलोमीटर चलकर छत्तीसगढ़ के डूंगरगढ़ में विराजमान आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज को देखने पहुंच रहे हैं इस वर्ष आचार्य श्री का चातुर्मास डूंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में हो रहा है आचार्य श्री विद्यासागर हमेशा पूरे विश्व और भारत में अहिंसा और शांति का अलख जगा रहे हैं,समाज के मंत्री ललित सेठी ने गुरूवर के चरणों मे श्री फल अर्पित किया। कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा,नविन जैन

सेवा में प्रतिस्पर्धा और सम्मान का गुलदस्ता है 'उपहार'

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 का आभार प्रदर्शन समारोह आज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब उदय की मेजबानी में रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3054 का वर्ष 2022-23 का आभार प्रदर्शन समारोह 'उपहार' शनिवार सुबह 11 बजे कोड़ियात रोड स्थित होटल रमाड़ा में आयोजित होगा। इसमें राजस्थान एवं गुजरात के 500 से अधिक रोटरी सदस्य भाग लेंगे। वर्ष 2022-23 के दौरान सदस्यों द्वारा किये सेवा कार्यो को लेकर समारोह में विभिन्न केटेगरी में 750 से अधिक पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। रोटरी के पूर्व प्रान्तपाल निर्मल सिंघवी ने बताया कि देश में कोई भी आपदा हो भूकंप हो सुनामी हो या कोई सामुदायिक कार्य हो रोटरी सब में आगे रहता है। कच्छ भुज में जब भूकंप की त्रासदी हुई तब उन्हें फूड पैकेट्स भी उपलब्ध कराने तथा उनके पुनर्वास में भी अपना अहम योगदान दिया। कोरोनाकाल में भी रोटरी की सेवा और भारत को पोलियो मुक्त करने में रोटरी ने अहम भूमिका किसी से छिपी नहीं है। सहायक प्रान्तपाल डॉ.ऋतु वैष्णव ने बताया कि रोटरी अपने विभिन्न क्लबों के माध्यम से उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में भी कई महंगी मशीनें और उपकरण प्रदान कर चुका है। उनसे आज संभाग के मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। पिछले दिनों नारायण सेवा संस्थान में भी उन्होंने एक मशीन भेंट की थी जो दिव्यांगों के उपकरण बनाने में काम आ रही है। क्लब अध्यक्ष नवीन वैष्णव ने अवॉर्ड सेरेमनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोटेरियंस द्वारा सेवा के क्षेत्र में किए गए सर्वश्रेष्ठ कार्यों की उपलब्धि को लेकर यह अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। अवॉर्ड सेरेमनी उपहार में गोल्ड मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। डॉ. सीमासिंह ने अवार्ड चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि हर रोटेरियंस का ऐसे अवार्ड लेना गौरव का विषय होता है। इस अवसर पर पूर्वाध्यक्ष राजेश चुघ, अध्यक्ष निर्वाचित डॉ. विजय पुरोहित, क्लब अध्यक्ष नवीन वैष्णव, सचिव सरिता सुनेरिया, शालिनी भटनागर, क्लब की जीएसआर डॉ. सीमासिंह मौजूद थे।

रिपोर्ट फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

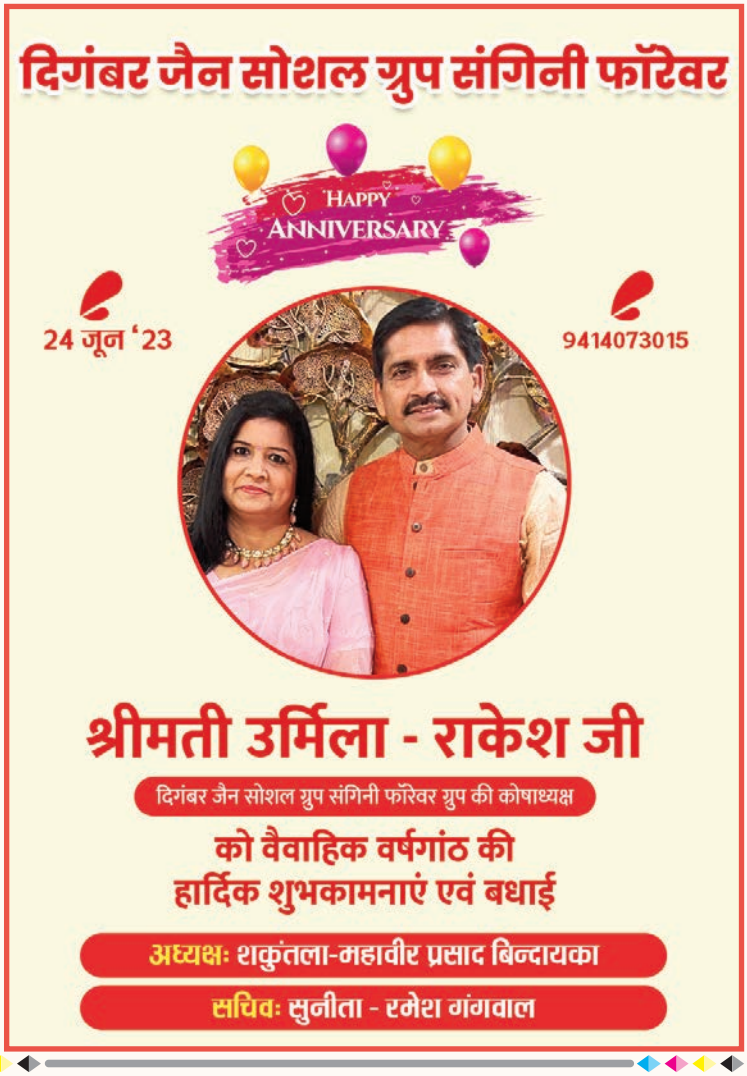

महासती धैर्यप्रभा आदि का हुआ भव्य चातुर्मासिक प्रवेश

प्रवेश में उमड़ा धमार्नुरागियों का उमड़ा महा सैलाब

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन दिवाकर सम्प्रदाय की महासती धैर्यप्रभा जी आदि ठाणा का भगवान महावीर और जैन दिवाकर चौथमल जी महाराज साहब के जयकारों के साथ भव्य चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। चातुर्मास मीडिया प्रभारी रूपेश कोठारी ने बताया कि महासती धैर्यप्रभा जी, धृतिप्रभा जी, धीर प्रभा जी एवं धार्मिक प्रभा जी सैकड़ों श्रावक श्राविका उपस्थिती में जयघोष के साथ प्राज्ञ भवन से विहार कर चातुर्मास हेतु बाफना गली स्थित गांधी आराधना भवन पधारें। दिलीप बाबेल ने बताया की इस वर्ष पांच माह का चातुर्मास होगा। महासती वृन्द द्वारा बिरद भवन में प्रतिदिन प्रातः 09 बजे से 10 बजे तक रोचक प्रवचन के माध्यम से ज्ञान की गंगा बहाई जायेगी। इसके अलावा 12 घण्टे का प्रतिदिन नवकार मन्त्र का जाप भी होगा। इसके अलावा पूरे चातुर्मास काल मे रोचक प्रतियोगिताएं, दोपहर को ज्ञान चर्चा आदि धार्मिक कार्यक्रम भी होंगे। महासती धैर्यप्रभा ने प्रवेश के बाद उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए सभी को पांच माह तक धर्म देशना सुनने और दूसरों को सुनने हेतु प्रेरित करने का आव्हान किया। धर्मनगरी ब्यावर महासती जी के गुरु स्पष्ट वक्ता, संथारा विशेषज्ञ धर्ममुनि जी म.सा. की दीक्षा स्थली भी हैं। इस पावन धरती पर पांच माह का चातुर्मास गुरु आज्ञा से पाना हमारा परम सौभाग्य हैं। सभी को इस अवसर को एक त्यौहार के रूप में मनाकर धर्मलाभ लेना हैं। महासती धृति प्रभा जी ने अपनी सुमधुर आवाज में ''आपकी नगरी में चौमासा हम बिताएंगे'' गीत गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। पारसमल श्रीमाल ने बताया कि महासती जी ने अपने चातुर्मासिक प्रवेश पर उपस्थित श्रद्धालुओं से 51 तेले तप की मांग रखी जिस पर उपस्थित धमार्नुरागी श्रावक श्राविकाओं के द्वारा तत्काल 61 से अधिक तेले तप करने की भेंट महासतियाँ जी को दी।

आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का धुलियान पश्चिम बंगाल में भव्य मंगल प्रवेश

धुलियान. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत गणाचार्य आचार्य विराग सागर जी महाराज की सुशिष्या आर्यिका गुरु माँ 105 विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का धुलियान पश्चिम बंगाल में गाजे वाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जिसमें मुर्शिदाबाद जिला के हर गांव के श्रद्धालू उपस्थित थे। मुर्शिदाबाद जिला के 9 गांव एकसूत्र से जुड़े हुए है जहा रात्रि विवाह व मृतक भोज व भेंट वर्जित है तथा साधु-संत की आवागमन की रुप-रेखा जिला कमेटी पर निर्भर है, जिला समाज का मिटिंग के बाद दोपहर को जिला समाज सम्मिलित होकर धुलियान में चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किए, इसके बाद संघ की आर्यिका विद्वतश्री माताजी का 22 वा गुरु उपकार दिवस मनाया गया। आर्यीका संघ का डिमापुर, आसाम, उत्तर बंगाल आदी धर्म प्रभावना कर मुर्शिदाबाद जिला के धुलियान पर मंगल प्रवेश हुआ हैं आखिरकार आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी से धुलियान में चातुर्मास की स्वीकृति प्राप्त हो गया है, चातुर्मास कलश स्थापना सम्भवत 4 जुलाई 23 को होगा। **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

तृतीय पुण्यतिथि 24.06.2023 पर हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारी प्रेरणास्त्रोत, धर्म परायण, धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल

जन्म
5 अगस्त, 1959
स्वर्गवास
24 जून, 2020

''मीठी मधुर स्मृतियां आपकी कभी नहीं मिट पाएंगी। आपका वात्सल्य आपकी बातें सदैव याद आएंगी।।''

श्रीमती सुशिला देवी जैन लुहाड़िया

धर्मपत्नी विनोद कुमार जैन शास्त्री ज्योतिषाचार्य, (अध्यक्ष, जेएसजी मानसरोवर)

श्रद्धावनत :

राजदेवी (सास), विक्रम-नीता, मनोज-मेघना (पुत्र-पुत्रवधु), चंचल-राजेश बगड़ा (पुत्री-दामाद), गुनगुन, दीपक, मानव, खुश (पोत्रि-पोत्र), रोशन, गौरव (दोहिता) समस्त लुहाड़िया परिवार।

पीहर पक्ष : लाल चंद (पिता) कमलेश-उषा गंगवाल, भाई-भाभी।

Gungun Paradise Jewels

607, Nagorio Ka Chowk , Bordi ka Rasta, Kishan Pol Bazar, Jaipur 302003 ★ Vikarm 9529490441, Manoj 9314527732

गांव रजवास मे हुआ आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संध का मंगल प्रवेश

जयधोष के साथ आज होगा निवाई मे मंगल पदार्पण

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संध शनिवार को गाजेबाजे के साथ शहर में मंगल प्रवेश करेंगे। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका विज्ञाश्री माताजी शुक्रवार को गांव बगड़ी से मंगल विहार करके गांव रजवास पहुंचे जहाँ पीपलू बगडी. रजवास एवं निवाई जैन समाज के विष्णु बोहरा सुशील जैन आरामशीन वाले सुनील भाणजा हितेश छाबड़ा त्रिलोक रजवास मनोज जैन दिनेश सोगानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने पादप्रक्षालन करके अगुवानी की। रजवास मे मंगल प्रवेश के दौरान आर्यिका संध को समाज के लोगो द्वारा गाजेबाजे के साथ आदिनाथ जैन मंदिर ले जाया गया जहां आर्यिका संध ने भगवान आदिनाथ जी के दर्शन किए। जौंला ने बताया कि गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी माताजी संध का शनिवार को निवाई मे मंगल प्रवेश करेंगे एवं रविवार को सुबह गांव गुन्सी स्थित विज्ञातीर्थ पर चातुर्मास के लिए गाजेबाजे के साथ मंगल प्रवेश करेंगे।

जनकपुरी में मूलनायक तीर्थंकर नेमिनाथ के मोक्षकल्याण पर होगा दो दिवसीय कार्यक्रम

25 को दीप अर्चना होगी तथा 26 को निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में मूल नायक भगवान नेमिनाथ का निवाणोत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ जोर शोर से मनाया जायेगा । दो दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन रविवार को शाम निर्वाण की पूर्व संध्या में आरती के बाद 24 तीर्थंकर की 24 दीपक से 143 पद्य महा अर्चना की जाएगी । दूसरे दिन आषाढ़ शुक्ला अष्टमी सोमवार को प्रातः मूल नायक जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर नेमि नाथ के अभिषेक के बाद वृहद् शान्ति धारा की जाएगी । इसके बाद प. चीकू भैया के सानिध्य में भगवान नेमिनाथ की अष्ट द्रव्य से भक्ति के साथ पूजन की जाएगी तथा निर्वाण काण्ड का वाचन कर जयकारों के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा । शाम को नेमिनाथ की आरती होगी । सभी कार्यक्रम में समाज ,प्रबन्ध समिति ,महिला मण्डल ,व युवा मंच सहित सभी की सहभागिता रहेगी ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com